This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5103**

Unique Paper Code : **B-805** **G**

Name of the Paper : **आधुनिक भारतीय भाषा—हिंदी 'ख'**

Name of the Course : **B.Com. (Hons.) Paper—XV Hindi (B)**

Semester : **I I Year/Annual**

Duration : **2 Hours** Maximum Marks : **50**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

"कहूँ मानवी यदि मैं तुमको,
तो वैसा संकोच कहाँ ?
कहूँ दानवी तो उसमें है
यह लावण्य कि लोच कहाँ ?
वनदेवी समझूं तो वह तो,
होती है भोली-भाली,
तुम्हीं बताओ कि तुम कौन हो,
हे रंचित रहस्यवाली ?"

P.T.O.

अथवा

''नहीं विघ्न-बाधाओं को हम,

स्वयं बुलाने जाते हैं,

फिर भी यदि वे आ जावें तो,

कभी नहीं घबराते हैं ।

मेरे मत में तो विपदाएँ,

हैं प्राकृतिक परीक्षाएँ,

उनसे वही डरें कच्ची हों,

जिनकी शिक्षा-दीक्षाएँ ॥''

2. निम्न में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

भाई, यह भगवान बादरायण का आश्रम है । देखो, यहाँ की लता-वल्लरियों में, पशु-पक्षियों में, तापस-बालकों में परस्पर कितना स्नेह है ! ये सब हिलते-डुलते और चलते-फिरते हुए भी मानो गले से लगे हुए हैं । यहाँ के तृण को भी एक शान्ति का आश्वासन पुचकार रहा है । स्नेह का दुलार, स्वार्थ-त्याग का प्यार, सर्वत्र बिखर रहा है ।

अथवा

तब फिर प्रतिशोध कैसे संभव है ? माँ मेरे हृदय में दारुण प्रतिहिंसा की ज्वाला धधक रही है । घमण्डियों के वे वक्र विलोचन बरछी की तरह लग रहे हैं । माँ, मुझे अत्याचार का प्रतिशोध लेने दो । मैं पिता के पास जाऊँगा । मैं मनसा के हाथों का विषाक्त अस्त्र बनूँ, उसकी भीषण कामना का पुरोहित बनूँ । क्रूरता का तांडव किए बिना मैं न जी सकूँगा । मैं आत्मघात कर लूँगा ।

3. 'जनमेजय का नागयज्ञ' नाटक के कथानक की समीक्षा कीजिए । 7

अथवा

'जनमेजय का नागयज्ञ' नाटक की पात्र सरमा का चरित्र-चित्रण लिखिए ।

4. 'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर सीता का चरित्र-चित्रण लिखिए । 8

अथवा

'पंचवटी' की मूल संवेदना या उद्देश्य क्या है ? इस पर विचार कीजिए ।

5. 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2,3

(*i*) 'कर्मभूमि' में स्कूलों के प्रति प्रेमचंद की क्या दृष्टि है ?

अथवा

'कर्मभूमि' में चित्रित मुख्य समस्या पर विचार कीजिए।

(*ii*) 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर सलीम का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कर्मभूमि' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

6. निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5

भारत रत्न बाबा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती मनायी जा रही है जिनके चिन्तन का मुख्य आधार समता,

स्वतंत्रता और बंधुत्व का भाव ही था जिसके महत्व को आज भी नकारा नहीं जा सकता । सामाजिक परिवर्तन में दलित मुक्ति का सवाल ही उनके लिए प्राथमिक रहा जिसके लिए उन्होंने जीवन-पर्यंत संघर्ष किया । उनका समूचा संघर्ष जाति-व्यवस्था से था । उनका स्पष्ट मानना था कि जाति-व्यवस्था के कारण ही भारत में राष्ट्रीय भावना का विकास नहीं हो पाया । जाति-व्यवस्था ने ही भारतीय समाज से बंधुत्व की भावना को नष्ट कर दिया है । जातियों ने समाज का सोपानीकरण इस तरह से किया है कि यहाँ एक ही जाति के भीतर सैकड़ों जातियाँ बन गयीं हैं । जातियों ने ऊँच और नीच की भावना को मनुष्य के दिल और दिमाग में बिठा दिया है जो राष्ट्र के निर्माण में बहुत बड़ी बाधा बन रही है । उन्होंने भारत के आन्दोलन और चिन्तन को ही नहीं बल्कि दुनिया के चिन्तन को भी प्रभावित किया ।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए । 1

(*ii*) भारतीय समाज में राष्ट्रीय भावना का विकास क्यों नहीं हो पा रहा है ? 2

(*iii*) डॉ. अम्बेडकर के चिन्तन के मुख्य आधार क्या थे ? 2

7\. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : 2

हस्ताक्षेप, श्रवन, पुन्य, प्रदर्षनी, धोका, वयापार, निवेष ।

(ख) किन्हीं **दो** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 3

(*i*) पृथ्वी द्वारा अन्नत पदार्थ पैदा होते हैं ।

(*ii*) शब्द केवल संकेत मात्र होते हैं ।

(*iii*) सौंदर्य सबको मुग्ध कर लेती है ।

(*iv*) वे अपने जीवन में उन्नति न किए पाए ।

8\. (क) टेलीफोन लगवाने के लिए दूरसंचार विभाग को आवेदन पत्र लिखिए । 5

अथवा

शहर में बढ़ती असुरक्षा को दूर करने के लिए जिलाधिकारी को प्रतिवेदन लिखिए ।

(ख) किसी **एक** विषय पर 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(*i*) शिक्षण संस्थाओं में बढ़ती राजनीति

(*ii*) बदलता पर्यावरण और बिगड़ता स्वास्थ्य

(*iii*) बेरोजगारी की समस्या ।